Chapter – 10

Optional vouchers in tally

Reversing Journal (F10)

इस एंट्री का प्रभाव सीधे अकाउंट पर नही होता | कई बार कुछ ट्रांजक्शन के असर को प्रयोगात्मक रूप में देखने के लिए इस वाउचर का प्रयोग होता है | इस वाउचर में कि जाने वाली एंट्रीज का असर विशेष पीरियड के लिए ही होता है और हम उस पीरियड पर ही इसका प्रभाव देख सकते है | इस पीरियड के बाद इस वाउचर टाइप के सभी एंट्रीज रिवर्स हो जाती है |

नोट: इस वाउचर टाइप को एक्टिव करने के लिए वाउचर एंट्री स्क्रीन पर F11 प्रेस करे और Use Reversing Journals & Optional Vouchers option में Yes दे |

Memo voucher (F10)

मेमो वाउचर एक नॉन एकाउंटिंग वाउचर है और इसमें की गयी एंट्री का असर किसी भी रिपोर्ट पर नहीं होता | इस वाउचर में याददाश्त के लिए एंट्री की जाती है | यह एंट्रीज एक अलग मेमोरी रजिस्टर में स्टोर होती है | आप इन मेमोरी वाउचर को रेगुलर वाउचर में कन्वर्ट कर सकते है | जब आप भविष्य में होने वाले खर्च के लिए प्रावधान करना चाहते है, लेकिन भूलने की संभावना होती है, तो यह वाउचर टाइप सिलेक्ट करे |

उदाहरण के लिए जब आपने किसी एम्प्लाई को कुछ आइटम खरीदने के लिए कैश देते है, जिसकी सही किमत आपको मालूम नही है | तो बजाय दो एंट्रीज करने के, जिसमें से एक petty cash advance और दूसरी बची नकदी की वापसी , आप इस एंट्री को मेमोरी में करे और बाद में इस वास्तव में खर्च अमाउंट की ही एंट्री पेमेंट वाउचर में करे|

Post Dated voucher

इस वाउचर का भविष्य की एंट्रीज के लिए ही उपयोग हाता है | लेकिन मेमोरी वाउचर के विपरीत, यह एंट्रीज अपने आप दी गई तारीख पर रेगुलर एंट्रीज में कन्वर्ट हो जाती है | रेगुलर होने वाले ट्रांजक्शन के लिए यह वाउचर टाइप उपयोगी है |

Example अगर आप हर महीने की 10 तारीख पर किराया भुगतान करते है, तो आपpost dated voucher टाइप में यह सभी एंट्रीज को करे और फिर हर महीने की 10 तारीख को यह एंट्रीज ऑटोमेटिक रेगुलर एंट्री में कन्वर्ट होगी | Ctrl+T प्रेस करके आप Post Dated Voucher टाइप को सिलेक्ट करे सकते है |

Optional voucher

ऑप्शनल वाउचर किसी भी वाउचर का प्रकार नही है | सभी वाउचर (non-accounting vouchers को छोड कर) को वाउचर एंट्री करते समय ऑप्शनल मार्क करे सकते है | ऑप्शनल वाउचर एक नॉन एकाउंटिंग वाउचर है, यानी इसमें किए गए सभी वाउचर एंट्रीज का असर अकाउंट बैंक पर नही होगा| टैली ERP 9 इन एंट्रीज को लेजर में पोस्ट नही करता |लेकिन इसको अलग ऑप्शनल रजिस्टर में स्टोर करके रखता है | आप इनमें changes कर सकते है और जब चाहे तब इन ऑप्शनल वाउचर को रेगुलर वाउचर में कन्वर्ट करे सकते है |

उदाहरण के लिए आप 50,000 / – की मशीनरी के लिए अगले महीने में खर्च करना चाहते है, लेकिन इस वाउचर के साथ आज ही रिपोर्ट देखना चाहते है | तो आप एंट्री करते समय इस ऑप्शन को मार्क कर सकते है | फिर जब आप इस ऑप्शनल वाउचर के साथ रिपोर्ट देखोगे तो इसका इफेक्ट आप देख सकते है |